



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 2  
PART I—Section 2

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16] नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 10, 1994/आश्विन 18, 1916  
No. 16] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 10, 1994/ASVINA 18, 1916

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय  
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1994

सं. ए-11013/10/94-प्र. अ. :-राष्ट्रपति, प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम, 1985 (1985का 13) की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए न्यायमूर्ति श्री एस. सी. माथुर, सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश जम्मू व कश्मीर उच्च न्यायालय को, 1-10-1994 से केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. न्यायमूर्ति श्री एस. सी. माथुर की सेवा शर्तें समय-समय पर यथासंशोधित, केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सदस्यों के वेतन, भत्ते तथा सेवा शर्तें) नियमावली 1985 द्वारा शासित होंगी।

श्रीमती सरिता प्रसाद, संयुक्त सचिव

---

**MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS**

(Department of Personnel & Training)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 10th October, 1994

No. A. 11013/10/94-AT.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the Administrative Tribunals Act, 1985 (13 of 1985), the President is hereby pleased to appoint Shri Justice S. C. Mathur, retired Chief Justice of Jammu and Kashmir High Court as Chairman, Central Administrative Tribunal w.e.f. 1-10-1994.

2. The conditions of service of Shri Justice S. C. Mathur shall be governed by the Central Administrative Tribunal (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairman and Members) Rules, 1985, as amended from time to time.

SMT. SARITA, PRASAD, Jt. Secy.